

# हिंदी विषयना शिक्षणमां कम्प्युटर आधारित शिक्षण सामग्रीनी रचना अने तेनी असकारकता

महेशकुमार बी.मालकिया, डॉ. अशोक परमार

संशोधक शिक्षण शास्त्र विभाग, गूजरात विद्यापीठ, अमदावाड

सह.प्राध्यापक हिंदी शिक्षण विभाग, गूजरात विद्यापीठ, अमदावाड

## सारांश

प्रस्तुत संशोधनमां संशोधनकर्ता ये हिंदी विषयना अध्यापन कार्यमां कम्प्युटर आधारित शिक्षण सामग्रीनी असकारकता जाणवानो प्रयास करेल छे. संशोधन माटे धोरण -8 हिंदीना पसंद करेल विषयवस्तुने सरणताथी लणववा माटे कम्प्युटर आधारित शिक्षण सामग्रीनी रचना करवामां आवी हती. कम्प्युटर आधारित शिक्षण सामग्रीनी असकारकता जाणवा माटे वे प्रयोग करवामां आव्या. बन्ने प्रयोगमा यार शाणाना 93 कुमार अने 63 कन्याओमां 40 कुमार अने 38 कन्याओने कम्प्युटर आधारित शिक्षण द्वारा 53 कुमार अने 25 कन्याओने परंपरागत पद्धति द्वारा शिक्षण आपवामां आव्युं हनुं. शिक्षण कार्य संदर्भे कम्प्युटर आधारित शिक्षण सामग्रीनी असकारकता जाणवा माटे पूर्व कसोटी अने उत्तर कसोटी द्वारा विद्यार्थीओना प्रमाण विचलन, मध्यस्थ, टी-मूल्य, सरासरी, विसमता जाणवामां आवी हती. प्राप्त टी-टी-मूल्यनुं सार्थकता स्तर तपासता जाणवा मज्यु के कम्प्युटर आधारित शिक्षण सामग्रीथी शिक्षण मेणवता विद्यार्थीओनी सिद्धि परंपरागत विधीथी शिक्षण मेणवता बाणकोथी वधारे हती.

## प्रस्तावना

आज शिक्षणानो व्याप दिन-प्रतिदिन वधतो जाय छे. तेना कारणे शिक्षणमां अनेक समस्याओ उभी थती रहे छे. तेमां जो कोठ मुभ्य समस्या होत तो ये वर्गशिक्षण पद्धतिनी. आज इक्त वर्गभंडमां प्रवचन पद्धति द्वारा ज शिक्षण आपवुं पूरतुं नथी, कारण के टेक्नोलोजीनो वधतो व्याप वर्ग शिक्षणमां आवनारी अनेक शिक्षण पद्धतिओ माटे उपयोगी थई रही छे. सामान्य रीते वर्गभंडमां अध्यापन कार्य परंपरागत रीते थाय छे. विद्यार्थीओ अेक ज रीतथी शीषीने कंटाणो अनुभव छे. शीषववा अने विषयवस्तुमां रस उलो करवो ते शिक्षक माटे सौथी अगत्यनी बाबत छे. वर्ग शिक्षणमां सौथी मोटी कोठ समस्या होय तो अे छे के विद्यार्थीओने कठ रीत अथवा कठ पद्धतिथी अव्यास कराववो. प्राचीन समयथी जे पद्धति याली आवती हती ते आजना टेक्नोलोजीना युगमां असकारक उपयोगी साबीत थई नथी माटे शिक्षणमां टेक्नोलोजीनो उपयोग अनिवार्य थई गयेल छे.

## संशोधनना उद्देश्य

प्रस्तुत संशोधनना हेतुओ नीचे प्रमाणे छे.

1. धोरण -8 ना हिंदी विषयना कठिनताने आधारे अेकमो पसंद करवा.
2. धोरण-8 ना पसंद करेला अेकमो माटे कम्प्युटर आधारित अध्ययन सामग्रीनी रचना करवी.
3. धोरण -8 ना हिंदी विषयना पसंद करेला अेकमो माटे सिद्धि कसोटीनी रचना करवी.
4. परंपरागत शिक्षण पद्धति अने कम्प्युटर आधारित शिक्षण पामेला जूथना प्राप्तांकोनी तुलना करवी.
5. पसंद करेला अेकमो पैकी जाती आधारित शिक्षण सामग्रीनी असकारकता जाणवी.

6. प्रयोगनी व्यावहारिकतानी सार्थकता जाणवी.
7. ग्राम्य विस्तारना प्रयोगिक जूथाना छेकराओ अने छेकरीओना सरासरी सिद्धि आंकनी तुलना करवी.
8. शहरी विस्तारना प्रयोगिक जूथाना छेकराओ अने छेकरीओना सरासरी सिद्धि आंकनी तुलना करवी.

### संशोधननी उत्कल्पनाओ

प्रस्तुत संशोधननी उत्कल्पनाओ नीचे मुजब छे.

(प्रस्तुत संशोधननी उत्कल्पनाओने 0.05 अने 0.01 सार्थकता मुल्य तपासवामां आवेल छे)

1. प्रायोगिक जूथ अने नियंत्रित जूथना विद्यार्थीओनी हिंटी विषयनी सिद्धि कसोटीना प्राप्तिकोनी सरासरीमां सार्थक तझावत नहीं होय.
2. प्रायोगिक जूथ अने नियंत्रित जूथना विद्यार्थीओनी हिंटी विषयनी उत्तर कसोटीना प्राप्तिकोनी सरासरीमां सार्थक तझावत नहीं होय
3. प्रायोगिक जूथ अने नियंत्रित जूथना कुमारोनी हिंटी विषयनी उत्तर कसोटीना प्राप्तिकोनी सरासरीमां सार्थक तझावत नहीं होय
4. प्रायोगिक जूथ अने नियंत्रित जूथनी कन्याओनी हिंटी विषयनी उत्तर कसोटीना प्राप्तिकोनी सरासरीमां सार्थक तझावत नहीं होय
5. शहरी विस्तारना प्रायोगिक जूथना छेकराओना अने छेकरीओना सरासरी लब्धिआंको वच्ये सार्थक तझावत नहीं होय.
6. ग्राम्य विस्तारना प्रायोगिक जूथना छेकराओना अने छेकरीओना सरासरी लब्धिआंको वच्ये सार्थक तझावत नहीं होय.

### संशोधन कार्यना यल

प्रस्तुत संशोधनमां प्रायोगिक योजना संदर्भे विविध प्रकारना यलनी स्पष्टता नीचे प्रमाणे छे.

1. स्वतंत्र यरः शिक्षण पद्धति, परंपरागत शिक्षण पद्धति द्वारा शिक्षण, कम्प्युटर द्वारा रचित सामग्री द्वारा शिक्षण
2. परतंत्र यलः हिंटी विषयनी उत्तर कसोटीना प्राप्तिक
3. परिवर्तक यलः जातियता (कुमार, कन्या), विस्तार (ग्राम्य, शहरी), शैक्षणिक सिद्धि
4. अंकुशित यलः शाणानुं वातावरण, अध्यापन माटेनुं विषयवस्तु, शिक्षणनी समय अवधी
5. आंतरवर्ती यलः हताशा, कार्यरस, वलण, प्रयोगनुं नावीन्य, जूथो वच्येनी आंतरक्रियाओ

### संशोधननुं व्याप विध

संशोधननुं व्यापविध सुरेंद्रनगर जिल्लानी सरकारी प्राथमिक शाणाना घोरण -8 ना ग्राम्य अने शहरी विस्तारना कुमार अने कन्या हता.

### नमूना पसंदगी

प्रस्तुत संशोधन माटे यार सरकारी प्राथमिक शाणानोने पसंद करवामां आवी हती यारे शाणानोमां कुमार अने कन्याओ साधे शिक्षण मेणवता हता. प्रयोग -1 माटे बे शाणानो अने प्रयोग-2 माटे बे शाणानो पसंद करवामां आवी हती. नमूना पसंदगी नीचे मुजब करवामां आवी हती.

जूथ रयना	प्रयोग -1 (शहरी क्षेत्र)	प्रयोग -2 (ग्राम्य क्षेत्र)
----------	--------------------------	-----------------------------

जाति	कुमार		कन्या		कुमार		कन्या	
श्रुत रचना	प्रायोगिक	नियंत्रित	प्रायोगिक	नियंत्रित	प्रायोगिक	नियंत्रित	प्रायोगिक	नियंत्रित
विद्यार्थी संख्या	29	21	11	19	24	19	14	19

### संशोधन पद्धति

प्रस्तुत संशोधन हिंदी विषयना शिक्षणकार्यमां कम्प्यूटर आधारित शिक्षण सामग्रीनी असरकारकता जाणवी हती. माटे प्रस्तुत संशोधनकार्य माटे प्रायोगिक संशोधन पद्धति नो उपयोग करवामां आव्यो हतो . संशोधन योजना माटे आकस्मिक बे समान श्रुत पूर्व कसोटी- उत्तर कसोटी योजना पसंद करवामां आवी हती.

### हिंदी शिक्षण माटे कम्प्यूटर आधारित शिक्षण सामग्रीनी रचना माटे ऐकमनी पसंदगी

प्रस्तुत संशोधननो मुख्य उद्देश्य घोरण-8 ना हिंदी विषयना शिक्षण माटे कम्प्यूटर आधारित अध्ययन सामग्रीनी रचना अने तेनी असरकारकता हतो . माटे हिंदी प्रथम अने द्वितीय सत्रना तमाम ऐकम जे बाणकोने लववामां कठिन लागे छे तेना माटे ऐक हिंदी विषय लेता शिक्षको माटे ऐक अभिप्रायवलीनी रचना करवामां आवी हती . शिक्षकोना अभिप्राय अने घोरण 9 ना बाणकोनी कसोटीना आधारे बाणकोने कठिन लागता 10 ऐकमोनी पसंदगी करवामां आवी हती.

क्रम	पाठपुस्तकमां अनुक्रम	पेज .नं	विषयवस्तु	साहित्य प्रकार	कवि/ लेखक	सत्र
1	3	16	अंतरीक्ष परी सुनीता विलियम्स	जीवनी	डॉ. कोकिला पारेख	प्रथम
2	6	36	भरत	एकांकी	राजा लक्ष्मण सिंह	९
3	7	45	सोच अपनी-अपनी	वाद-विवाद	-	९
4	8	50	मां! कह एक कहानी	काव्य	मैथिलीशरण गुप्त	९
5	9	57	ममता	कहानी	जयशंकर प्रसाद	९
6	2	11	कच्छ की सैर	यात्रावृत्त	हरेश धोलकिया	द्वितीय
7	4	19	कर्मयोगी लालबहादुर शास्त्री	रेखाचित्र	शंकरदयाल शर्मा	९
8	5	28	दोहे	दोहा	कबीर, रहीम, तुलसीदास	९
9	6	33	तूफानों की ओर	कविता	शिवमंगल सिंह 'सुमन'	९
10	7	38	हार की जीत	कहानी	सुदर्शन	९

### उपकरण निर्माण

हिंदी विषयनी पूर्वकसोटी अने उत्तर कसोटी माटे घोरण-8 हिंदी विषयना बन्ने सत्रना ऐकमोनी पसंदगी माटे हिंदी विषय लेता शिक्षको पासे अभिप्रायवली मोकलवामां आवी हती. तेमां सरण .मध्यम .अने कठिन ऐकमो विशे अभिप्राय लीघा बाए 10 कठिन ऐकमोनी पसंदगी करवामां आवी हती. त्यारबाए 10 ऐकम माटे PPT अने विडीयो पाठनी रचना करवामां आवी हती. आ पाठ अने PPT हिंदी लेता शिक्षकोने अने तजज्ञो ने मोकलवामां आवी हती. ऐकमनी पसंदगी थया बाए 150 प्रश्नोनी ऐक प्रश्नावली बनाववामां आवी हती .जे तजज्ञो अने मार्गदर्शकने मोकलवामां आवी हती. तजज्ञो अने मार्गदर्शकना मार्गदर्शन अने सूयनो पछी प्रश्नोनुं कठिनता मूल्य अने सरणता मूल्य जाणवा 8 शाणाना 200 बाणको पर अजमायश करवामां आवी. शोधकर्ताचे कलम पृथक्करणना माध्यमथी अंतीम स्वरुपनी प्रश्नावलीनुं सरणता मूल्य अने कठिनता मूल्य शोधवामां आव्युं हतुं. संशोधनकर्ताचे जे कलमनुं सरणता मूल्य 0.20 थी 0.80 नी वर्ये होय ऐ प्रश्नोनी कसोटीमां समावेश करवामां आव्यो हतो. झार्णल कसोटीमां कुल 100 प्रश्नोनी समावेश करवामां आव्यो हतो . जेनी माहिती कोष्टक -3 मां आपवामां आवेल छे

## माहिती विश्लेषण

प्रस्तुत संशोधन कार्यमा सामेल नमूना द्वारा हिंदी विषयनी कसोटीना मेणवेल गुणना आधारे उत्कल्पनाओनी यकासणी करवामा आवी हती. उत्कल्पनाओनी यकासणी माटे सरासरी, प्रमाणवियलन, मध्यस्थ, विषमता जाणवामा आव्युं हतुं. उत्कल्पनाओनी यकासणी माटे T- कसोटीनो उपयोग करवामा आव्यो हतो. हिंदी विषयनी कसोटीमां मेणवेल गुणनी पूर्व निर्धारित उत्कल्पनाओने तपसता नीचे मुजब परिणाम प्राप्त थयेले छे.

### कोष्ठक 1

परम्परागत शिक्षण ( नियंत्रित जूथ)अने कम्प्यूटर आधारित शिक्षण (प्रायोगिक जूथ)सांख्यिकी

प्रयोग :1 परम्परागत शिक्षण ( नियंत्रित जूथ)सांख्यिकी				प्रयोग :1 कम्प्यूटर आधारित शिक्षण ( प्रायोगिक जूथ)सांख्यिकी		
सांख्यिकी	प्रथम सत्र गुण	पूर्व कसोटी	उत्तर कसोटी	प्रथमसत्र गुण	पूर्व कसोटी	उत्तर कसोटी
संख्या	38	38	38	38	38	38
सरासरी	67.74	43.42	56.16	67.92	39.55	58.32
प्रमाणित वियलन	18.50	11.35	9.19	16.10	11.05	5.85
प्रथम यतुर्थक	62.25	35.25	49.25	66.00	36.25	55.00
मध्यस्थ	69.00	44.50	54.50	69.00	39.00	57.50
त्रुतिययतुर्थक	78.00	49.75	62.00	71.00	42.75	62.00
विषमता	-1.19	0.13	0.34	-0.58	0.66	0.16
ककुदता	2.10	-1.30	-0.77	0.88	1.26	0.00

## संशोधनना तारणो

### तारण:1

घोरण 8 ना हिंदी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथना पूर्वकसोटी अने उत्तर कसोटीना सरासरी प्राप्तांको वय्ये सार्थक तझावत जोवा मणे छे.घोरण 8 ना हिंदी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथना पूर्वकसोटीना सरासरी प्राप्तांको (43.42) करतां उत्तर कसोटीना सरासरी प्राप्तांको (56.12)ओया जोवा मणे छे.

### तारण:2

घोरण 8 ना हिंदी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत प्रायोगिक जूथना पूर्वकसोटी अने उत्तर कसोटीना सरासरी प्राप्तांको वय्ये सार्थक तझावत जोवा मणे छे.घोरण 8 ना हिंदी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत प्रायोगिक जूथना पूर्वकसोटीना सरासरी प्राप्तांको (39.55) करतां उत्तर कसोटीना सरासरी प्राप्तांको (58.32)ओया जोवा मणे छे.

### तारण:3

घोरण 8 ना हिंदी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथ अने प्रायोगिक जूथना पूर्वकसोटीना सरासरी प्राप्तांको वय्ये सार्थक तझावत जोवा मणतो नथी.घोरण 8 ना हिंदी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत नियंत्रित जूथ अने प्रायोगिक जूथना पूर्वकसोटीना सरासरी प्राप्तांको सरासरी प्राप्तांको समान जोवा मणे छे.

### तारण:4



तारणः:12

घोरण 8 ना हिंटी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत प्रायोगिक जूथना छोकरीओना पूर्वकसोटी अने उत्तरकसोटीना सरासरी प्राप्तांको वय्ये सार्थक तझावत जोवा मणे छे. घोरण 8 ना हिंटी विषयना कम्प्यूटर आधारित शिक्षणनी असरकारकता अंतर्गत प्रायोगिक जूथना छेकराओना पूर्वकसोटीना सरासरी प्राप्तांको (43.67) करतांउत्तरकसोटीना सरासरी प्राप्तांको(61.57)ओया जोवा मणे छे.

### शैक्षणिक इलितार्थ

परंपरागत पढ़्छि द्वारा अब्यास करता ग्राभ्य अने शहरी विद्यार्थीओमां कुमार अने कन्याओना मेणवेल गुणने आधारे कही शकाय के कम्प्यूटर आधारित शिक्षण सामग्री द्वारा शिक्षण आपवामां आवे तो शैक्षणिक सिद्धि वधी शके छे.

### उपसंहार

वर्ग शिक्षणमां परंपरागत शिक्षण पढ़्छि याती आवे छे तेमां शिक्षक बोलतो रहे अने विद्यार्थी इक्त श्रोता बनी रहे तेना करता विद्यार्थी जे अेकम शीभी रह्यो छे ते अेकम द्रश्य-श्रव्य माध्यम द्वारा शीभे. तमाम शाणाओ कम्प्यूटर आधारित शिक्षण सामग्रीनो उपयोग करे तो वर्ग शिक्षणमां तेनी असर विद्यार्थीओनी सिद्धि पर सारी जोवा मणे छे.

### संदर्भ साहित्य :

- [1] Sing, R. R. (2006). Advanced Research Method in Education, New Delhi: Shree publishers and Distributor
- [2] प्रसाद, के. पी. (2005). ब्रह्म हिन्दी कोश, वाराणसी: ज्ञान मंडल लि.
- [3] शर्मा, ए., और सक्सेना आर. (2004). शैक्षिक तकनीकी एवं कक्षा-कक्ष प्रबंध, जयपुर: इन्डियन पब्लिशिंग हाउस.
- [4] शर्मा, एस. (2002). शिक्षा शास्त्र, दिल्ली: कोस्मोस बुकव्ही प्रा.लि.
- [5] त्रिपाठी, एम. डी. (2006). आधुनिक शिक्षा तकनीक एवं उपकरण, दिल्ली: ओमेघा पब्लिकेशन्स
- [6] वशिष्ठ, के. सी. (2006) शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता,
- [7] हिंदी (द्वितीय भाषा ) कक्षा 8, गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, गांधीनगर
- [8] उचाट डी. ए. (2009). शिक्षण अने सामाजिक विज्ञानोमा संशोधान्नु पद्धतिशास्त्र, अमदावाद: साहित्य मुद्रणालय.